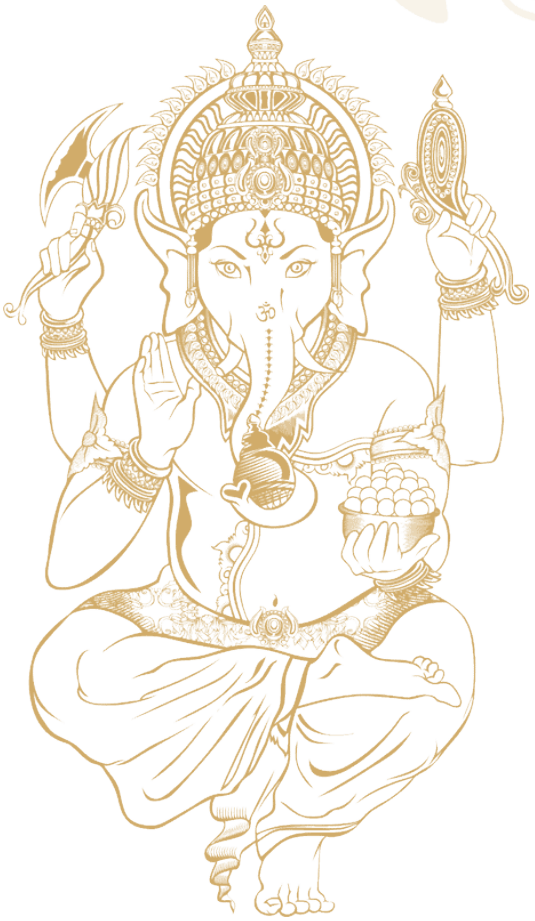

RB Verma Kumari

04 Jan 2026

10:25 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121170111

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/01/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:25:00 घंटे**
इष्ट	09:33:22 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:35:00 घंटे
वेलान्तर	-00:04:50 घंटे
साम्पातिक काल	17:30:17 घंटे
सूर्योदय	06:35:39 घंटे
सूर्यास्त	17:14:25 घंटे
दिनमान	10:38:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:36:43 धनु
लग्न के अंश	25:40:48 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	25:40:48	488:15:46	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
सूर्य			धनु	19:36:43	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	00:25:42	14:39:04	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
मंगल		अ	धनु	20:55:33	00:46:06	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	09:20:56	01:32:40	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:42:47	00:07:59	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	19:01:02	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			मीन	02:08:24	00:03:47	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:15:18	00:07:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:15:18	00:07:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:38:34	00:01:31	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:19:39	00:00:51	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:35:38	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	28:57:22	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:19

लग्न-चलित

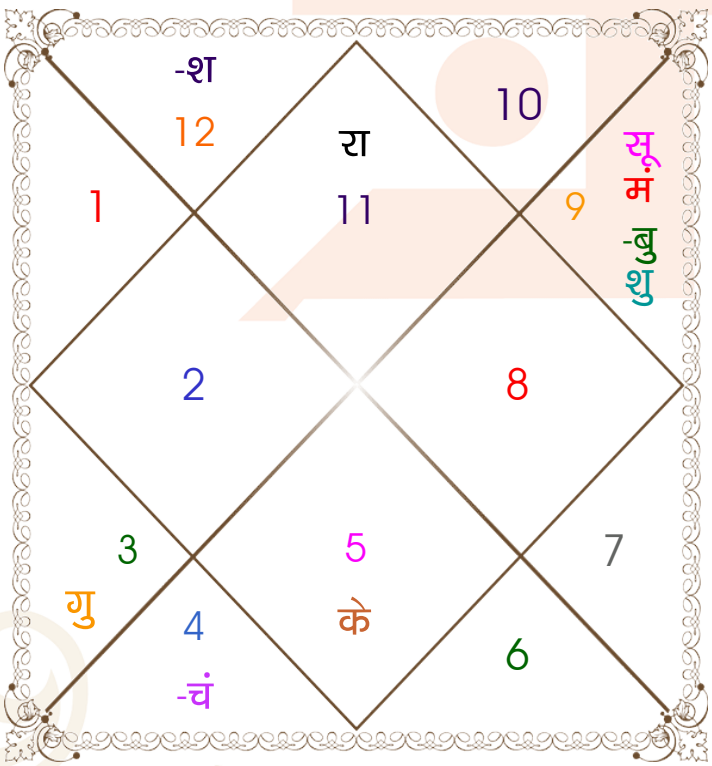

चन्द्र कुंडली

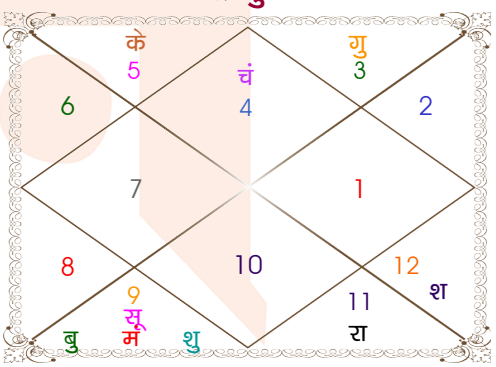

नवमांश कुंडली

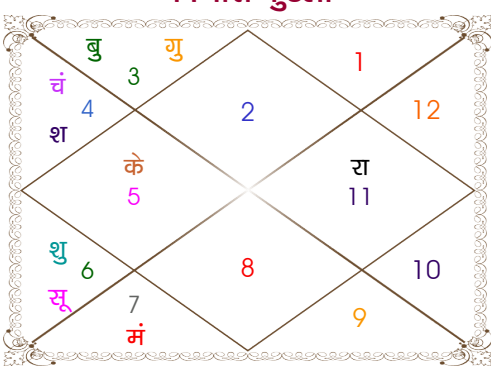

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 5 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/01/2026		30/06/2029		30/06/2048		30/06/2065		30/06/2072	
30/06/2029		30/06/2048		30/06/2065		30/06/2072		30/06/2092	
	00/00/0000	शनि	03/07/2032	बुध	27/11/2050	केतु	26/11/2065	शुक्र	30/10/2075
	00/00/0000	बुध	13/03/2035	केतु	24/11/2051	शुक्र	26/01/2067	सूर्य	30/10/2076
	00/00/0000	केतु	21/04/2036	शुक्र	24/09/2054	सूर्य	03/06/2067	चंद्र	30/06/2078
	00/00/0000	शुक्र	22/06/2039	सूर्य	31/07/2055	चंद्र	02/01/2068	मंगल	31/08/2079
	00/00/0000	सूर्य	03/06/2040	चंद्र	30/12/2056	मंगल	30/05/2068	राहु	30/08/2082
	04/01/2026	चंद्र	02/01/2042	मंगल	27/12/2057	राहु	18/06/2069	गुरु	30/04/2085
चंद्र	01/03/2026	मंगल	11/02/2043	राहु	15/07/2060	गुरु	25/05/2070	शनि	30/06/2088
मंगल	05/02/2027	राहु	18/12/2045	गुरु	21/10/2062	शनि	04/07/2071	बुध	01/05/2091
राहु	30/06/2029	गुरु	30/06/2048	शनि	30/06/2065	बुध	30/06/2072	केतु	30/06/2092

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/06/2092		30/06/2098		01/07/2108		02/07/2115		01/07/2133	
30/06/2098		01/07/2108		02/07/2115		01/07/2133		00/00/0000	
सूर्य	17/10/2092	चंद्र	01/05/2099	मंगल	27/11/2108	राहु	14/03/2118	गुरु	19/08/2135
चंद्र	18/04/2093	मंगल	30/11/2099	राहु	16/12/2109	गुरु	06/08/2120	शनि	02/03/2138
मंगल	24/08/2093	राहु	01/06/2101	गुरु	21/11/2110	शनि	13/06/2123	बुध	07/06/2140
राहु	19/07/2094	गुरु	01/10/2102	शनि	31/12/2111	बुध	31/12/2125	केतु	13/05/2141
गुरु	07/05/2095	शनि	01/05/2104	बुध	27/12/2112	केतु	18/01/2127	शुक्र	12/01/2144
शनि	18/04/2096	बुध	30/09/2105	केतु	26/05/2113	शुक्र	18/01/2130	सूर्य	31/10/2144
बुध	22/02/2097	केतु	02/05/2106	शुक्र	26/07/2114	सूर्य	13/12/2130	चंद्र	05/01/2146
केतु	30/06/2097	शुक्र	31/12/2107	सूर्य	01/12/2114	चंद्र	13/06/2132		00/00/0000
शुक्र	30/06/2098	सूर्य	01/07/2108	चंद्र	02/07/2115	मंगल	01/07/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 6 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर बृषभ राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्मकालिक ज्यातिषीय आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन में विश्वसनीयता बनाए रखें तब आप उत्तम मानवीय स्वाभावानुकूल जीवन, आनंददायक, धन, प्रसन्नता से युक्त समृद्धि प्राप्त कर सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से सर्वोतम प्रकार की नेता है जो मानवीय विश्वसनीयता से युक्त अन्य लोगों के मददगार, आदर्श एवं उदार चरित्र के प्राणी के रूप में उभर कर समाज का प्रतिनिधित्व करेंगी।

आप उदारता हेतु समर्थ होकर धन संपत्ति का संचय कर सकेंगी। आप मात्र मेधावी ही नहीं हैं। आप सर्वथा धन बनाने के करतब और चालाकी की जानकार हैं। आपमें ऐसी सक्षमता है कि स्पष्ट रूप से धन संपन्न होने के सभी तथ्यों का अच्छी प्रकार मूल्यांकन कर लेती हैं। आप अपने अंतर्ज्ञान पूर्ण शक्ति को लाभ जनित उपयोग कर आप लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकती हो।

आप उत्तम प्रकार के गुणों से युक्त है। आप चाहें तो अच्छे प्रकार के कार्य व्यवसाय तथा पर्यटन कार्य, औषधि, पब्लिक कंपनी के कार्य, औषधि की दुकान या निर्माण कार्य वकालत पेशा, ज्योतिषीय कार्य, धर्म दर्शन के कार्य अथवा भाषा के कार्यादि कर सकती हैं।

आप सामान्यतया अच्छी मिलनसार महिला हैं। कभी-कभी आप सहजता पूर्वक आवरण में छिप जाती हैं तथा एकांत प्रियता को प्रस्तुत करती हैं। आप किसी अवसर पर सुरक्षित हो जाती हैं। तब आपके मित्र एवं व्यावसायिक सहयोगी को आपके साथ किसी प्रकार के व्यवहार में दिक्कतें उत्पन्न हो जाती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप इस विशेषता को त्याग दें। परंतु आप सदैव वाचालिक प्रवृति से दूसरों को प्रभावित करती हैं तथा अपनी व्यंगात्मक विनोद प्रियता से लोगों के मन पर विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने मित्रों की बड़ी मंडली के साथ अच्छा संबंध रखती हैं। मात्र कुछ समय आपके कुछ मित्रगण गोल माल करते हैं तो उन्हें विश्वास नहीं करने योग्य समझ कर उसे बाहर निकाल कर बहिष्कृत कर देती हैं।

आप किसी के भी पीछे की आधार स्तंभ का सर्वप्रथम अध्ययन कर गोल माल नहीं करने वाला समझ कर अपने से निकटता का संबंध स्थापित कर लेती हैं।

आप विपरीत योनि के प्रति संभोगात्मक प्रवति से सहजतापूर्वक प्रभावित होने वाली प्राणी हैं। आप निश्चित रूप से अपने जीवन में कोई जीवन संगी (प्रेमी) अवश्य बनाएंगी। कुंभ राशीय प्रभाव से आपका वैचारिक मतैक्यता उनसे हो सकती है जिनका जन्म मिथुन अथवा तुला लग्न में जन्म हुआ हो।

एक बार आपका वैवाहिक जीवन सुव्यवस्थित एवं प्रतिबंधित हो जाना संभाव्य है।

आप प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन बिता सकेंगी। अपने पत्नी एवं अपनी प्यारी संतान से युक्त होकर आपकी इच्छा का विस्तार होगा तथा अपने कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य के अनुसार आपका नाम और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आप सर्वथा पूर्ण निर्मित एवं व्यवस्थित भवन प्राप्त कर सकेंगी।

आप एक सामाजिक प्राणी हैं तथा यदा कदा अपने मित्रों को आमंत्रित कर अपने घर पर बुलाना पसंद करती हैं।

आपका स्वास्थ्य स्पष्ट रूप से अच्छा रहेगा परंतु कतिपय संभावित रोगादि की संभावनाओं के विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम होगा। कालांतर में रोगादि से प्रभावित होने की अशुभ संकट की आशंका है। आपके समक्ष हृदय की धड़कन, आंत्र शोथ एवं हार्नियां रोगादि की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक अनुकूल प्रतीत होता है। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग उत्तम है। परंतु रंग नारंगी, हरा एवं नीला रंग आपके हित त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।